Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 09-12-2005

Participants : Kumar Shri Shailendra

>

Title : Blocking of Bhagirathi at Tehari, Uttaranchal resulting in non-availability of water to farmers.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान टिहरी बांध के बन्द हो जाने के कारण हिमालय से जो भागीरथी का पानी गंगा में आ रहा है, उस ओर आकर्ति करते हुए निवेदन करना चाहता हूं कि उससे बहुत गम्भीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। यह विाय हिन्दुस्तान के सभी लोगों की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। भागीरथी से जो पानी गंगा में बहकर आता है, उससे लोग पूजा-पाठ भी करते हैं। यह सवाल लोगों का, गंगा के पानी से अपने पूर्वजों को तारने की भावना से भी जुड़ा हुआ cè[rpm18]।

प्रयाग इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में तमाम साधु-संत इस समय आमरण-अनशन पर बैठे हुए हैं। गंगा का पानी बिलकुल न आने से वहां बहुत जल प्रदूति हो गया है। आपको सर्वविदित है और पूरा सदन जानता है कि गंगा का जल अगर वर्षों तक भी किसी बोटल में रखें तो वह स्वच्छ रहता है, उसमें बिलकुल कीड़े नहीं पड़ते। उससे बहुत सारी दवाएं भी बन रही हैं, इसलिए हमारे सामने बड़ी विकराल स्थिति आ गई है। उत्तर प्रदेश में नहरों में पानी न आने से यही गंगा का जल जब गंगा नदी में आता है तो उसे लिफ्ट करके नहरों में पानी भेजा जाता है। आज उत्तर प्रदेश में गेहूं के अलावा अन्य फसलों की भी उपज हो रही है। नहरों में पानी होने से वहां सभी फसलें बर्बाद हो रही हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहूंगा कि उत्तरांचल सरकार को निर्देशित करें, क्योंकि यह साजिश के तहत रोका गया है। अगर उत्तर प्रदेश में नहरों में पानी नहीं आएगा तो उससे सरकार की किरकिरी होगी और सरकार बदनाम होगी। इसलिए हमारी मांग है कि तत्काल टिहरी बांध को खोला जाए ताकि पानी आए और लोगों की जो भावना है, जो साधु-संत आमरण-अनशन पर बैठे हैं, उनकी भावनाओं को ठेस न पहुंचे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

MR. SPEAKER: Shri Mohan Rawale, birthday gift!